# NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 6-दिये जल उठे

एन सी ई आर टी
NCERT
NCERT
National Council Of Educational Research And Training

IndCareer
Schools

indCareer indCareer indCareer

# NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 6-दिये जल उठे

Class 9: हिंदी पाठ 6 solutions. Complete Class 9 हिंदी पाठ 6 Notes.

## NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 6-दिये जल उठे

NCERT 9th हिंदी पाठ 6, class 9 हिंदी पाठ 6 solutions

पृष्ठ संख्या: 48

बोध प्रश्न

**1.** किस कारण से प्रेरित हो स्थानीय कलेक्टर ने पटेल को गिरफ़्तार करने का आदेश दिया?

उत्तर

अहमदाबाद के आंदोलन के समय पटेल ने स्थानीय कलेक्टर शिलिडी को भगा दिया था इसी बात का बदला लेने के लिए कलेक्टर शिलिडी ने पटेल को निषेधाज्ञा के उलंघन के आरोप में गिरफ़्तार करने का आदेश दिया।

**2.** जज को पटेल की सजा सुनाने के लिए आठ लाइन के फ़ैसले को लिखने में डेढ़ घंटा क्यों लगा?स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

जज को पता ही नही चल रहा था की पटेल को किस धारा के तहत कितनी सजा दी जानी चाहिए चूँकि पटेल ने कोई अपराध नही किया था। इसलिए जज को आठ लाइन के फ़ैसले को लिखने में डेढ़ घंटा लगा।

NCERT 9th हिंदी पाठ 6, class 9 हिंदी पाठ 6 solutions

**3. "**मैं चलता हूँ। अब आपकी बारी है।**" –** यहाँ पटेल के कथन का आशय उद्धृत पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

सरदार पटेल को तीन महीने की जेल हुई। इसके लिए उन्हें बोरसद से साबरमती जेल ले जाया जा रहा था। रास्ते में आश्रम पड़ता था। पटेल के आग्रह पर गाड़ी रोक दी गई और पटेल आश्रमवासियों से मिले। सड़क पर ही गांधी जी से भी उनकी बातचीत हुई जिसमें उन्होंने गांधी जी से यह कथन कहा। वे स्पष्ट करना चाहते थे वे जेल जा रहे हैं और अब स्वाधीनता के लड़ाई की जिम्मेवारी आपकी है।

NCERT 9th हिंदी पाठ 6, class 9 हिंदी पाठ 6 solutions

**4. "**इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें**" –**गांधीजी ने यह किसके लिए और किस संदर्भ में कहा**?**

उत्तर

गांधी जी एक बार रास गए। वहाँ उनका भव्य स्वागत हुआ। वहाँ सबसे आगे रास लोग रहते हैं जो दरबार कहलाते हैं। एक तरह से ये राजा की तरह होते हैं। ये रियासत के मालिक होते हैं। गोपालदास और रविशंकर महाराज जो दरबार थे,वहाँ मौजूद थे। ये दरबार लोग अपना सब कुछ छोड़कर यहाँ आकर बस गए थे। उनका यह त्याग एवं हिम्मत सराहनीय है। गांधी जी ने इन्हीं के जीवन से प्रेरणा लेने को लोगों से कहा कि इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें।

NCERT 9th हिंदी पाठ 6, class 9 हिंदी पाठ 6 solutions

**5.** पाठ द्वारा यह कैसे सिद्ध होता है कि **–** 'कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालिक सूझबूझ और आपसी मेलजोल से किया जा सकता है।'अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर

गांधी जी अपनी दांडी यात्रा पर थे। उन्हें मही नदी पार करनी थी। ब्रिटिश सरकार ने नदी के तट के सारे नमक भंडार हटा दिए थे। वे अपनी यह यात्रा किसी राजघराने के इलाके से नहीं करना चाहते थे। जब वे कनकपुरा पहुँचे तो एक घंटा देर हो गई। इसलिए गांधी जी ने कार्यक्रम में परिवर्तन करने का निश्चय किया कि नदी को आधी रात में समुद्र में पानी चढ़ने पर पार किया जाए ताकि कीचड़ और दलदल में कम से कम चलना पड़े। तट पर अँधेरा था। इसके लिए लोगों ने सूझबूझ से काम लिया और थोड़ी ही देर में हज़ारों दिए जल गए। हर एक के हाथ में दीया था। इससे अँधेरा मिट गया। दूसरे किनारे भी इसी तरह लोग हाथों में दीये लेकर खड़े थे। इस प्रकार कठिन परिस्थिति में सूझबूझ से काम लिया और उसका सामना किया। गांधी जी को रघुनाथ काका ने नाव में बिठाकर नदी पार करा दी।

NCERT 9th हिंदी पाठ 6, class 9 हिंदी पाठ 6 solutions

**6.** महिसागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था**?**अपनेशब्दों में वर्णन कीजिए।

उत्तर

महिसागर नदी के दोनों किनारों पर हज़ारों लोग अपने हाथों में जलते दिये लेकर खड़े थे क्योंकि वे गांधी जी का और उनके साथियों का इंतज़ार कर रहे थे। उस समय अँधेरा था। चारों ओर 'महात्मा गांधी की जय, सरदार पटेल की जय और जवाहर लाल नेहरु की जय के नारे गूँज रहे थे।

NCERT 9th हिंदी पाठ 6, class 9 हिंदी पाठ 6 solutions

**7. "**यह धर्मयात्रा है। चलकर पूरी करूँगा।**"** गांधी जी के इस क्थन द्वारा उनके किस चारित्रिक गुण का परिचय प्राप्त होता है।

उत्तर

गांधी जी ने दांडी यात्रा को धर्मयात्रा का नाम दिया। रास्ते में कंकरीली, रेतीली सड़के पड़ेगी। इसलिए लोगों ने गांधी जी को आधी यात्रा कार से करने का आग्रह किया। परन्तु गांधी जी ने मना कर दिया और कहा धर्मयात्रा में निकलने वाले, किसी वाहन का प्रयोग नहीं करते। इसी प्रकार मही नदी तट पर करीब चार किलोमीटर दलदली ज़मीन पर गांधी जी को चलना पड़ा। लोगों ने उन्हें कंधे पर उठाने की सलाह दी पर गांधी जी ने कहा यह धर्मयात्रा है। चलकर पूरी करूँगा।" इस कथन से गांधी जी के साहस, देशप्रेम, कष्ट सहने की क्षमता आदि गुणों का पता लगता है।

NCERT 9th हिंदी पाठ 6, class 9 हिंदी पाठ 6 solutions

**8.** गांधी को समझने वाले वरिष्ठ अधिकारी इस बात से सहमत नहीं थे कि गांधी कोई काम अचानक और चुपके से करेंगे। फिर भी उन्होंने किस डर से और क्या एहतियाती कदम उठाए**?**

उत्तर

गांधी को समझने वाले वरिष्ठ अधिकारियों का मानना था कि वे अचानक चुपके से कोई काम नहीं करते। फिर भी ब्रिटिश सरकार कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहती थी। इसलिए ऐहतियाती तौर पर नदी के तट से सारे नमक भंडार हटा दिए और उन्हें नष्ट करा दिया।

NCERT 9th हिंदी पाठ 6, class 9 हिंदी पाठ 6 solutions

**9.** गांधी जी के पार उतरने पर भी लोग नदी तट पर क्यों खड़े रहे**?**

उत्तर

गांधीजी के नदी पार उतरने पर भी लोग नदी तट पर खड़े रहे क्योंकि सत्याग्रहियों को भी पार जाना था और वे कुछ लोगों का इंतजार कर रहे थे, जिन्हें नदी पार करानी होगी।

NCERT 9th हिंदी पाठ 6, class 9 हिंदी पाठ 6 solutions

# Chapterwise NCERT Solutions for Class 9 हिंदी :


- पाठ 1-गिल्लू
- पाठ 2-स्मृति
- पाठ 3-कल्लू कुम्हार की उनाकोटी
- पाठ 4-मेरा छोटा-सा निजी पुस्तकालय
- पाठ 5-हामिद खाँ
- पाठ 6-दिये जल उठे

# About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.